पाठ 17. भारत और एकता

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ भारत की संस्कृति की विशेषताओं तथा प्राचीन भारत की मान्यताओं, परंपराओं से बच्चों को अवगत कराने के उद्देश्य से दिया गया है। यह पाठ जवाहरलाल नेहरू की कलम से लिखी गई 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' पुस्तक का एक अंश है।

पाठ का सारांश

'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' से लिए गए इस अंश में नेहरू जी भारत की एकता और संस्कृति के बारे में बताते हैं। भारत के लोग सारी दुनिया में घूमते थे तथा अपनी सभ्यता और संस्कृति का व्यापक रूप से प्रचार करते थे। हमारी संस्कृत भाषा के कई शब्द अन्य भाषाओं में शामिल किए गए हैं। धीरे-धीरे भारतीय लोग जाति और धर्म के पिंजरे में कैद हो गए। जाति-पाँति एक रुकावट के रूप में आई और समाज को तोड़ने का काम करने लगी। जाति-प्रथा देश तथा समाज की तरक्की में बाधा उत्पन्न करती है। नेहरू जी कहते हैं कि हमें धर्म के मामले में एक-दूसरे से मिलकर रहना चाहिए। एकजुट हुए बिना विकास की कल्पना करना केवल एक झूठा स्वप्न है।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझाएँ। बच्चों को भारत की संस्कृति-सभ्यता से अवगत कराएँ। बताएँ कि यह पाठ जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' के हिंदी रूपांतर 'भारत एक खोज' से लिया गया है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- संस्कृति तथा सांस्कृतिक एकता से तुम क्या समझते हो?
- भारत को 'अनेकता में एकता' का देश कहा जाता है। क्यों?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।